रविवासरीय

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

कोहली ने किए बदलाव

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए अंतिम एकादश में तीन बदलाव किए। पेज22

लखनऊ में 40 ई-सिटी बसें चलेंगी पेज 06 ▮ यूपी की खादी इटली में हाथों-हाथ बिकी पेज13

रविवार, 14 जनवरी 2018, लखनऊ , पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 9, अंक 02, 32 पेज+4 पेज फुरसत, मूल्य ₹ 4.00, माघ, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी, विक्रम सम्वत् 2074

ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर का तापमान बढ़ा, बर्फ उड़कर मैदानी इलाकों पर असर डाल रही

ग्लेशियर पर बर्फ न टिकने से बढ़ रही ठंड

हिन्दुस्तान एक्सक्लूसिव

लखनऊ | रामेंद्र प्रताप सिंह

ग्लोबल वार्मिंग का असर अब दिखने लगा है। ग्लेशियर का तापमान अधिक होने से पहाड़ों पर पड़ रही बर्फ उसपर टिक नहीं पा रही है। उड़कर मैदानी इलाकों में पहुंच रही है और लोगों के हाड़ कंपा रही है। गलन की स्थिति अभी कुछ दिनों तक बनी रहने की संभावना है।

तेजी से पिघल रही बर्फः पर्यावरण वैज्ञानिक व स्कूल आफ साइंस मैनेजमेंट के महानिदेशक डॉ. भरतराज सिंह का कहना है कि पहले ग्लेशियर का तापमान माइनस 80 डिग्री सेल्सियस था, जो अब बढ़कर माइनस 40 डिग्री सेल्सियस हो चुका है। उत्तरी ध्रुव पर 110 लाख वर्ग किमी व दक्षिणी ध्रुव पर 140 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल पर बर्फ थी, जो लगातार घट रही है।

विश्व पर ग्लोबल वार्मिंग का असर

डॉ. भरतराज सिंह ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग का असर पूरे विश्व पर पड़ रहा है। पश्चिमी देशों में लगातार बर्फीले तूफान आ रहे हैं। इसका जिक्र उन्होंने अप्रैल 2015 में क्रोसिया से प्रकाशित पुस्तक में कर दिया है। पुस्तक के माध्यम से सचेत किया है कि न्यूयार्क (अमेरिका), ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा व भारत के पहाड़ी क्षेत्र आदि से लोगों को नए सुरक्षित स्थलों पर बसने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

नई बर्फ वाष्पीकृत होकर मैदानी क्षेत्र में पहुंच रही

डॉ. भरतराज सिंह ने कहा कि ग्लेशियर के तापमान में वृद्धि से उस पर बर्फ चिपक नहीं पा रही है। जो बर्फबारी हो रही है, उसका तापमान माइनस 60 डिग्री के आसपास होता है, जबकि ग्लेशियर का तापमान माइनस 40 डिग्री तक पहुंच चुका है। ऐसे में नई बर्फ ग्लेशियर में चिपकने की बजाय वाष्पीकृत होकर हवा के साथ मैदानी इलाकों में पहुंच रही है। यही नहीं ग्लेशियर का तापमान बढ़ने से जमी बर्फ दलदल में तब्दील हो रही है और उसका फैलाव हो रहा है।